District	1992-93 No.	1992-93 Amount	1993-94 No.	1993-94 Amount	1994-95 No.	1994-95 Amount
9 Gandhinagar . .	8592	9.47	9171	9.20	1165	7.74
10. Jamnagar . . .	93242	66.98	79234	77.37	282129	102.94
11. Junagadh . . .	22350	57.28	NA	80.47	NA	92.88
12. Kheda . . .	27830	67.01	NA	78.54	NA	62.25
13. Kutch . . .	13690	21.31	13760	22.84	NA	25.26
14. Mahsana . . .	14351	56.31	21849	72.83	NA	54.82
15. Panchmahals . .	138260	57.79	32509	77.03	NA	81.68
16. Rajkot . . .	41747	91.09	128289	138.22	290442	147.16
17. Sabarkantha . .	13787	33.08	73640	49.02	NA	28.06
18. Surat . . .	18706	56.06	22580	168.44	NA	104.9ς
19. Surendranagar . .	9050	26.53	NA	34.81	NA	36.88

*1994-95 upto December, 1994.

नियंत्रक-महालेखा परीक्षक को लेखे प्रस्तुत न किया जाना

5978. **श्री ईश दत्त यादव :**
श्री अब्दुल मोहम्मद :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक को लेखा परीक्षा हेतु लेखे समय पर प्रस्तुत नहीं किए जा रहे हैं ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक ने लेखे समय पर प्रस्तुत न किए जाने पर अप्रसन्नता व्यक्त की है ;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(ङ) सरकार ने इस लापरवाही को रोकने हेतु क्या प्रयास किए हैं ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम०वी० चन्द्रशेखर मूर्ति): (क) और (ख) भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक को रेल मंत्रालय, डाक विभाग तथा दूर-संचार विभाग द्वारा अपने विनियोग लेखे परीक्षा हेतु प्रस्तुत करने में विलम्ब हुए हैं ।

(ग) और (घ) डाक और दूर-संचार विभागों में सचिवों तथा वित्त आयुक्त, रेल को संबोधित पत्रों में नियंत्रक-महालेखा परीक्षक ने लेखा-परीक्षा हेतु विनियोग लेखे प्रस्तुत करने में हुए विलम्ब के बारे में अपनी चिन्ता व्यक्त की है, क्योंकि इससे संसद् को विनियोग लेखे प्रस्तुत करने में विलम्ब हो जाता है ।

(ङ) रेल मंत्रालय तथा डाक और दूर-संचार विभागों ने भविष्य में ऐसे विलम्बों से बचने के लिए किए गए उपायों के बारे में नियंत्रक महालेखा परीक्षक को सूचित कर दिया है ।